

## त्याग का सम्मान

प्रश्न-उत्तर

क. राजा के पास पहुँचकर चंद्रकांत ने क्या कहा ?

उत्तर- राजा के पास पहुँचकर चंद्रकांत ने कहा- महाराज, मैं सूर्य नगर का नागरिक और एक सैनिक हूँ। महाराज यदि अपनी सेवा से नियुक्त करें तो मैं सदा आभारी रहूँगा। मैं अपने कर्तव्य का पालन निष्ठापूर्वक करूँगा।

ख. चंद्रकांत को क्या कार्य सौंपा गया ?

उत्तर- चंद्रकांत को राजा के अंगरक्षक का कार्य सौंपा गया।

ग. मंदिर पहुँचकर चंद्रकांत ने क्या देखा?

मंदिर पहुँचकर चंद्रकांत ने देखा कि एक स्त्री अपने बाल बिखेरे ज़ोर से विलाप कर रही थी।

घ. राजा के जीवन की रक्षा के लिए चंद्रकांत ने क्या किया?

उत्तर- राजा के जीवन की रक्षा के लिए चंद्रकांत अपने घर गया और अपने परिवार के सदस्यों को बुलाकर उसने सारी घटना कह सुनाई। तभी चंद्रकांत का युवा पुत्र उठ खड़ा हुआ और राजा के जीवन की रक्षा के लिए अपनी बलि देने के लिए तैयार हो गया।

ड. राजा ने चंद्रकांत का सम्मान किस प्रकार किया ?

उत्तर- राजा ने चंद्रकांत का सम्मान उसे अपने राज्य के सेनापति के पद पर नियुक्त करके किया।